Patrika (Indore), 24th November 2022, Page – 02

न्यूरोसाइंस के क्षेत्र में शिक्षा, शोध व संसाधनों के आदान-प्रदान का अंतरराष्ट्रीय मंच

आइआइटी इंदौर की मेजबानी में 18 साल बाद देश में आयोजित हो रहा 'आइकॉनिप'

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

इंदौर. आइआइटी इंदौर में बुधवार से आइकॉनिप की शुरुआत हुई। एशिया पेसिफिक न्यूरल नेटवर्क सोसाइटी (एपीएनएनएस) द्वारा न्यूरोसाइंस के क्षेत्र में अंतरराष्ट्रीय स्तर पर हो रहे शोध, शिक्षा व संसाधनों के आदान-प्रदान के उद्देश्य से यह वार्षिक सम्मेलन होता है। आइकॉनिप की शुरुआत 1994 में हुई थी और हर साल अलग-अलग देशों में इसका आयोजन होता है। पहला आइकॉनिप वर्ष 2004 में भारत (आइएसआइ कोलकाता) में हुआ था। देश में इस बार आइआइटी इंदौर को मेजबानी मिली है।

यह कार्यक्रम आइआइटी व ट्रिपल आइटी इलाहाबाद के साथ संयुक्त रूप से आयोजित किया जा रहा है। आइआइटी इंदौर से डॉ. एम. तनवीर, आइआइआइटी इलाहाबाद से डॉ. सोनाली अग्रवाल और कोबे विश्वविद्यालय जापान से प्रो. सेइची ओजावा आयोजन के जनरल चेयर हैं। आइआइटी इंदौर के डायरेक्टर प्रो. सुहास जोशी ने उद्घाटन भाषण दिया। उन्होंने कहा कि यह सम्मेलन बहुत महत्वपूर्ण क्षेत्र पर ध्यान केंद्रित कर रहा है।

1000 से ज्यादा पेपर

आइकॉनिप 2022 के लिए 62 देशों से एक हजार से अधिक पेपर प्राप्त हुए हैं। कंप्यूटर साइंस में सिर्फ 146 पेपर और सूचना विज्ञान में प्रकाशन के लिए 213 पेपर स्वीकार किए जाते हैं। 62 से अधिक देशों के 500 प्रतिभागी हिस्सा ले रहे हैं। तकनीकी सत्रों के 19 विषय, 16 विशेष सत्र, 6 ट्यूटोरियल, 1 कार्यशाला और एक डाटा चैलेंज प्रतियोगिता है। इसमें यूके, यूएसए, ऑस्ट्रेलिया, चीन, हांगकांग, बैंकॉक और भारत के 4 पूर्ण सत्र और 4 आमंत्रित वक्ता शामिल हैं।